सार शुगर सेट

आयुर्वेद के साथ डायबिटीस की देखभाल

"सार शुगर सेट - रक्त शर्करा नियंत्रण के लिए एक हर्बल समाधान!"

सार शुगर सेट के फायदे

- रक्त शर्करा स्तर का सामान्य करता है।
- शर्करा की लालसा को कम करने में मदद करता है |
- रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है।
- पाचन और आंत स्वास्थ्य में सुधार करता है।
- प्राकृतिक रूप से इंसुलिन उत्पादन को प्रोत्साहित करता है।
- 100% प्राकृतिक, बिना किसी रसायन के।
- प्राकृतिक हर्बल सामग्री, जड़ी बूटी से निर्मित |
- दीर्घकालिक डायबिटीज नियंत्रण के लिए सुविधाजनक और प्रभावी फॉर्मूला।
- देश भर में हजारों लोगों का भरोसेमंद।
- दैनिक दिनचर्या में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

सार शुगर सेट के प्रयोग की विधि

एक साफ़ बर्तन लें | सभी सातों पाउडर को इस बर्तन में खाली कर लें | सभी पाउडर को अच्छी तरह मिला लेवें | एक साफ़ एयर टाइट बरनी में भरकर रख लें | प्रतिदिन १ चम्मच पाउडर १ या दो बार पानी के साथ लेवें |

अधिक जानकारी या खरीदारी के लिए संपर्क करें :

वेबसाइट: www.ayurvedaindore.com

ईमेल: ayurvedaindorestore@gmail.com

व्हाट्सएप (केवल संदेश): 9827999988

निर्माता :

सार हर्बल इंदौर

एक आईएसओ और जीएमपी प्रमाणित कंपनी

SAAR™ HERBALS

AYURVEDA INDORE

ऑनलाइन केवल आयुर्वेद इंदौर स्टोर पर उपलब्ध है

मधुमेह या डायबिटीस क्या है ?

मधुमेह, या डायबिटीस आयुर्वेद के अनुसार एक चयापचय संबंधी विकार है जो शरीर में ग्लूकोज (चीनी) को संसाधित करने के तरीके को प्रभावित करता है। जब हम भोजन करते हैं तब शरीर कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज में परिवर्तित कर देता है, जो हमारी कोशिकाओं के लिए ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। हालाँकि, मधुमेह में, या तो शरीर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है (टाइप 1 मधुमेह) या कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी हो जाती हैं (प्रकार 2 मधुमेह), जिससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

मधुमेह के सामान्य लक्षण:

- अत्यधिक प्यास लगना और बार-बार पेशाब आना |
- अचानक वजन घटना |
- थकान और कमजोरी |
- दृष्टि में धुंधलापन |
- घावों का धीरे-धीरे ठीक होना |
- हाथों और पैरों में सुन्नता या झुनझुनी होना |
- बार बार होने वाले संक्रमण |
- शुष्क मुँह और त्वचा |
- चिड़चिड़ापन और मूड में बदलाव |

मधुमेह के प्रति आयुर्वेदिक दृष्टिकोण :

आयुर्वेद में, मधुमेह को मुख्य रूप से कफ दोष के विकार के रूप में देखा जाता है, जो शरीर में विकास और द्रव संतुलन को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद मधुमेह को केवल रक्त शर्करा की समस्या के रूप में नहीं बल्कि शरीर की प्रणालियों में व्यापक असंतुलन के रूप में देखता है। आयुर्वेदिक उपचार प्राकृतिक उपचार, आहार समायोजन और जीवनशैली में बदलाव का उपयोग करके इस असंतुलन को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

मधुमेह प्रबंधन और आयुर्वेद :

- दोषों को संतुलित करना: मधुमेह को शरीर के दोषों, विशेषकर कफ और वात में असंतुलन का परिणाम माना जाता है। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियाँ और उपचार इस संतुलन को बहाल करने का काम करते हैं।
- पाचन और चयापचय को बढ़ाना: खराब पाचन (अग्नि) को आयुर्वेद में मधुमेह के मूल कारण के रूप में देखा जाता है। आयुर्वेदिक उपचारों का उद्देश्य पाचन में सुधार करना और शरीर में बनने वाले विषाक्त पदार्थों (अमा) को बाहर करना है।
- प्राकृतिक उपचार: आयुर्वेद प्राकृतिक पदार्थों जैसे जड़ी-बूटियों पर निर्भर करता है जो रक्त शर्करा के स्तर को प्रबंधित करने, इंसुलिन प्रतिरोध को कम करने और स्वस्थ चयापचय कार्य को बढ़ावा देने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं।
- समग्र स्वास्थ्य : आयुर्वेद न केवल मधुमेह के शारीरिक लक्षणों को बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को भी संबोधित करता है। तनाव को कम करने के लिए जीवनशैली में बदलाव, जैसे योग और ध्यान को शामिल करने को प्रोत्साहित किया जाता है, जो मधुमेह को खराब कर सकता है।

सार शुगर सेट

"सार शुगर सेट उच्च रक्त शर्करा के स्तर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक प्राकृतिक, समय-परीक्षणित हर्बल उपचार है। सार हर्बल द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए गए, इस कॉम्बो में सात शक्तिशाली जड़ी-बूटियाँ शामिल हैं, जैसे आंवला, बेल पत्र, गुड़मार, जामुन के बीज, करेला, मेथीदाना और नीम। प्रत्येक जड़ी बूटी अपने विशिष्ट गुणों के लिए प्रसिद्द है, और संयुक्त रूप से यह मिश्रण रक्त शर्करा संतुलन बनाए रखने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में अपने अद्वितीय लाभों के लिए जाना जाता है, देश भर में हजारों ग्राहकों द्वारा विश्वसनीय, सार शुगर सेट स्वस्थ शर्करा चयापचय को बढ़ावा देकर रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए एक सुविधाजनक और प्राकृतिक समाधान है।